जून से बिछने लगेंगी मेट्रो-3 की पटरियां

■ वसं, मुंबई

मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MMRCL) ने मेट्रो 3 कॉरिडोर के निर्माण की रफ्तार बढ़ा दी है। जून के पहले सप्ताह से कॉरिडोर के मार्ग पर पटरी बिछाने की तैयारी कर ली गई है। कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज के बीच बन रहे कॉरिडोर का करीब 60 प्रतिशत तक काम पूरा हो गया है। पहले चरण के तहत आरे से बीकेसी के बीच सेवा शुरू करने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है। योजना के तहत जून से आरे से बीकेसी के बीच पटरी बिछाने का काम भी शुरू हो जाएगा। एमएमआरसीएल ने ट्रैक बिछाने के काम के लिए लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड (एलएंडटी कंस्ट्रक्शन) के साथ पहले ही करार कर लिया है। अनुबंध के तहत कंपनी को डिजाइन, खरीद, आपूर्ति, ट्रैक स्थापित करना, परीक्षण करने सहित करीब 40 किमी मेट्रो मार्ग पर ट्रैक बिछाने का काम सौंपा गया है।

कॉरिडोर का करीब 60 प्रतिशत तक काम पूरा

> टनल तैयार करने का 80 प्रतिशत काम पूरा हो गया है, जून से मार्ग पर पटरी बिछने का काम शुरू कर दिया जाएगा।
>
> *- रणजीत सिंह देवल, एमडी, एमएमआरसीएल*

80% टनल तैयार

मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है, टनल तैयार करने का काम 80 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया है। पूरे मार्ग पर खुदाई का काम करीब 85 प्रतिशत तक हो गया है। मार्ग के साथ ही स्टेशनों का काम भी तेजी से चल रहा है। एमआईडीसी स्टेशन का 71 प्रतिशत, मरोका नाका स्टेशन का 67 प्रतिशत, विधानभवन स्टेशन का 65 प्रतिशत और सीप्ज स्टेशन का काम का 58 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया है।

25 टनल तैयार

33 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के मार्ग पर कुल 32 टनल तैयार होनी है। टीबीएम मशीन की सहायता से 32 में से 25 टनल तैयार करने का काम पूरा हो गया है। महानगर में जमीन से करीब 22 मीटर नीचे मेट्रो मार्ग तैयार करने के लिए 17 टीबीएम मशीन का इस्तेमाल हो रहा है। एमएमआरसीएल ने आगामी कुछ महीनों में टनल निर्माण का काम पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। दिसंबर 2021 में आरे से बीकेसी के बीच पहली मेट्रो और जून 2022 तक पूरे मार्ग पर मेट्रो चलाने की योजना बनाई है।